एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय)
विषय - वास्तुशास्त्र

क्रेडिट-१५

प्रथम सत्र, प्रथम पत्र
वास्तुशास्त्र के सिद्धान्त

इकाई - १ वास्तुशास्त्र का स्वरूप एवं एतिहासिकता

१.१ भारतीय वास्तुशास्त्र का अर्थ एवं उद्देश्य
१.२ वास्तुशास्त्र में गृहादि निर्माण महत्व
१.३ रामायण एवं महाभारत कालीन वास्तुशास्त्र
१.४ सिन्धु घाटी सभ्यता में वास्तुकला
१.५ वास्तुशास्त्रीय ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
१.६ वर्तमान समय में वास्तुशास्त्र का महत्व

इकाई - २ मूल भूत संकल्पना

२.१ वास्तोष्पति परिकल्पना
२.२ वास्तुपुरुष की उत्पत्ति कथा का दार्शनिक महत्व
२.३ वास्तु पद में देव विन्यास
२.४ वास्तु पद प्रभेद
२.५ वास्तु पद के कोण एवं दिशाओं के स्वामी
२.६ वास्तु पद में ब्रह्म स्थान का महत्व
२.७ वास्तु पद में मर्म एवं अति मर्म स्थान

सहायक ग्रन्थ

१. **ग्रन्थ नाम** **भारतीय वास्तुशास्त्र**
लेखक प्रो० शुकदेव चतुर्वेदी
प्रकाशक श्री ला. ब. शा. रा. सं. विद्यापीठ, नई दिल्ली–१६

२. **ग्रन्थ नाम** **वास्तु प्रबोधिनी**
लेखक डा. अशोक थपलियाल
प्रकाशक अमर ग्रन्थ पब्लिकेशन्स, विजय नगर, नई दिल्ली

३. **ग्रन्थ नाम** **गृहवास्तु शास्त्रीय-विधान**
लेखक डा. देशबन्धु
प्रकाशक विद्यानिधि प्रकाशन, शक्ति नगर, नई दिल्ली

एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय)
विषय - वास्तुशास्त्र

क्रेडिट-१५

प्रथम सत्र, द्वितीय पत्र
वास्तुशास्त्र एवं काल

इकाई - ०१ ज्योतिष और वास्तुशास्त्र

१.१ सिद्धांत ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र
१.२ होरा एवं वास्तुशास्त्र
१.३ संहिता एवं वास्तुशास्त्र
१.४ भारतीय वास्तुशास्त्र की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
१.५ वास्तुशास्त्र में काल विधान की आवश्यकता एवं महत्व

इकाई - ०२ ब्रह्माण्ड और सौर परिवार

२.१ चतुर्दश भुवन व्यवस्था
२.२ पृथिवी का वायुमण्डल
२.३ पृथिवी में सप्तद्वीप व्यवस्था
२.४ पृथिवी में समुद्र
२.५ पृथिवी मे स्वस्थान निर्धारण

इकाई - ०३ पञ्चाङ्ग परिचय एवं लग्नचक्रनिर्माण

३.१ तिथि साधन
३.२ वार व्यवस्था
३.३ नक्षत्र विचार
३.४ विष्कुम्भादि योग विचार
३.५ आनन्दादि योग विचार
३.६ करण साधन
३.७ चन्द्र स्पष्टीकरण एवं गति साधन

सहायक ग्रन्थ-

१. **ग्रन्थ नाम** — **ब्रह्माण्ड और सौर परिवार**
लेखक — प्रो० देवीप्रसाद त्रिपाठी
प्रकाशक — परिक्रमा प्रकाशन, शाहदरा, दिल्ली–९४

२. **ग्रन्थ नाम** — **भुवनकोशविमर्शः**
लेखक — प्रो० देवीप्रसाद त्रिपाठी
प्रकाशक — अमर ग्रन्थ पब्लिकेशन्स, विजय नगर, नई दिल्ली

३. **ग्रन्थ नाम** — **भारतीय ज्योतिष**
लेखक — नेमी चन्द शास्त्री
प्रकाशक — भारतीय ज्ञान पीठ, नई दिल्ली

एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय)
विषय - वास्तुशास्त्र

क्रेडिट-१५

प्रथम सत्र, तृतीय पत्र

मौलिकग्रन्थ अध्ययन

इकाई - १.१ भूपरिग्रह प्रकरण
१.२ दिक्शोधन प्रकरण

इकाई - २.१ शल्योद्धार प्रकरण
२.२ मेलापक प्रकरण

इकाई - ३.१ पिण्डानयन प्रकरण
३.२ गृहोपकरण प्रकरण

मौलिकग्रन्थ- **वास्तुरत्नाकर**
लेखक- श्रीविन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी
प्रकाशक- चौखम्बा संस्कृत सीरिज आफिस,
वाराणसी–०१

एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय)
विषय - वास्तुशास्त्र

क्रेडिट-१५

प्रथम सत्र, चतुर्थ पत्र
संस्कृत शिक्षण

इकाई - १ विषय प्रवेश

१.१ संस्कृत का वैशिष्ट्य
१.२ संस्कृत और संस्कृति
१.३ संस्कृत का वैभव
१.४ संस्कृत और भारतवर्ष
१.५ संस्कृत की आवश्यकता

इकाई - २ संज्ञा शब्द

२.१ उकारान्त पुल्लिंग
२.२ ऊकारान्त पुल्लिंग
२.३ ऋकारान्त पुल्लिंग
२.४ इकारान्त नपुंसल्लिंग
२.५ उकारान्त स्त्रील्लिंग
२.६ ऊकारान्त स्त्रील्लिंग
२.७ ऋकारान्त स्त्रील्लिंग

इकाई - ३ **नीतिशतक** के २६–३५ श्लोक
(अन्वय एवं अर्थ सहित)

सहायक ग्रन्थ- अनुवाद चन्द्रिका
लेखक- श्रीचक्रधर नौटियाल 'हंस'
प्रकाशक- मोतीलाल बनारसीदास,
बंगलो रोड़, दिल्ली–११०००७

सहायक ग्रन्थ- नीतिशतक
लेखक- आचार्य श्री भर्तृहरि
प्रकाशक- चौखम्भा विद्याभवन
वाराणसी–०१ (उ०प्र०)

एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय)
विषय - वास्तुशास्त्र

क्रेडिट-१५

द्वितीय सत्र, प्रथम पत्र

इकाई - १ भूमि चयन एवं शोधन

१.१ ग्राम व दिशा की अनुकूलता का विचार
१.२ अष्टवर्ग विचार
१.३ भूखण्ड के निकटवर्ती क्षेत्र
१.४ भूमि की अनुकूलता का विचार
१.५ गजपृष्ठादि विचार
१.६ आठ प्रकार की वीथियां
१.७ भूखण्ड की शुभाशुभ आकृतियाँ
१.८ भूमि में शल्य ज्ञान व शल्योद्धार विधि
१.९ भूमि शुद्धि

इकाई - २ वास्तुविन्यास

२.१ एक शाल गृह
२.२ द्विशाल गृह
२.३ त्रिशाल गृह
२.४ जल विन्यास
२.५ द्वार विन्यास
२.६ राशि, वर्ण एवं आय के अनुसार द्वार विन्यास
२.७ वास्तुपद् के अनुसार द्वार निर्णय

इकाई - ३ कक्षविन्यासादि

३.१ आवासीय वास्तु में कक्ष विन्यास
३.२ सोपान निर्धारण
३.३ गवाक्ष, आंगन एवं अलिन्द विचार
३.४ वृक्ष एवं वाटिका विधान
३.५ गृह के समीप रोप्यारोप्य वृक्ष

सहायक ग्रन्थ

१. **ग्रन्थ नाम** **भारतीय वास्तुशास्त्र**
लेखक प्रो० शुकदेव चतुर्वेदी
प्रकाशक श्री ला. ब. शा. रा. सं. विद्यापीठ, नई दिल्ली–१६

२. **ग्रन्थ नाम** **वास्तु प्रबोधिनी**
लेखक डॉ० अशोक थपलियाल
प्रकाशक अमर ग्रन्थ पब्लिकेशन्स, विजयनगर, दिल्ली

एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय)
विषय - वास्तुशास्त्र

क्रेडिट-१५

द्वितीय सत्र, द्वितीय पत्र

इकाई - १ फल निर्धारण के मूल के सिद्धान्त

१.१ ग्रहों की दृष्टि विचार
१.२ ग्रहों का काल बल
१.३ ग्रहों का चेष्टा बल
१.४ ग्रहों का दिग्बल
१.५ ग्रहों का स्थान बल
१.६ ग्रहों का नैसर्गिक बल
१.७ ग्रहों का दृग्बल
१.८ ग्रहों का पंचधा मैत्री विचार
१.९ विंशोत्तरी दशा साधन

इकाई - २ मुहूर्त्त विधान

२.१ गृहारम्भ हेतु विशिष्ट योग
२.२ कपाट स्थापन मुहूर्त्त
२.३ इष्टिकारम्भादि मुहूर्त्त
२.४ शिलाभेदन मुहूर्त्त
२.५ वृक्षछेदन मुहूर्त्त
२.६ वृक्षारोपण मुहूर्त्त
२.७ जलाशयारामसुरप्रतिष्ठा मुहूर्त्त

सहायक ग्रन्थ-

१. **ग्रन्थ नाम** **मुहूर्त्त चिन्तामणि**
लेखक प्रो. रामचन्द्र पाण्डेय
प्रकाशक कृष्णदास अकादमी, वाराणसी–०१

२. **ग्रन्थ नाम** **वास्तु प्रबोधिनी**
लेखक डा. अशोक थपलियाल
प्रकाशक अमर ग्रन्थ पब्लिकेशन्स, विजय नगर, नई दिल्ली

३. **ग्रन्थ नाम** **भारतीय ज्योतिष**
लेखक नेमी चन्द शास्त्री
प्रकाशक भारतीय ज्ञान पीठ, नई दिल्ली

एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय)

विषय - वास्तुशास्त्र

क्रेडिट-१५

द्वितीय सत्र, तृतीय पत्र

मौलिकग्रन्थ अध्ययन

इकाई - १.१ इष्टिका प्रकरण
१.२ द्वार प्रकरण

इकाई - २.१ गेहारम्भ मुहूर्त्त प्रकरण
२.२ गृहप्रवेश मुहूर्त्त प्रकरण
२.३ जलाशयादि मुहूर्त्त प्रकरण

मौलिकग्रन्थ- **वास्तुरत्नाकर**
लेखक- श्रीविन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी
प्रकाशक- चौखम्बा संस्कृत सीरिज आफिस,
वाराणसी–०१

एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय)
विषय - वास्तुशास्त्र

क्रेडिट-१५

द्वितीय सत्र, चतुर्थ पत्र
संस्कृत शिक्षण

इकाई - ३ सर्वनाम शब्द

३.१ एतत्
३.२ असद्
३.३ सर्व
३.४ किम्
३.५ यत्

इकाई - ४ संख्या वाचक विशेषण शब्द

४.१ एक (पुल्लिंग,स्त्रीलिंग एवं नपुंसलिंग)
४.२ द्वि (पुल्लिंग,स्त्रीलिंग एवं नपुंसलिंग)
४.३ त्रि (पुल्लिंग,स्त्रीलिंग एवं नपुंसलिंग)
४.४ चतुर् (पुल्लिंग,स्त्रीलिंग एवं नपुंसलिंग)
४.५ पञ्चम (पुल्लिंग,स्त्रीलिंग एवं नपुंसलिंग)

इकाई - ५ नीतिशतक के ३६–५० श्लोक
(अन्वय एवं अर्थ सहित)

सहायक ग्रन्थ- अनुवाद चन्द्रिका
लेखक- श्रीचक्रधर नौटियाल 'हंस'
प्रकाशक- मोतीलाल बनारसीदास,
बंगलो रोड़, दिल्ली–११०००७

सहायक ग्रन्थ- नीतिशतक
लेखक- आचार्य श्री भर्तृहरि
प्रकाशक- चौखम्भा विद्याभवन
वाराणसी–०१ (उ०प्र०)

एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय)
विषय - वास्तुशास्त्र

क्रेडिट-१५

तृतीय सत्र, प्रथम पत्र
व्यावसायिक वास्तु

इकाई - १

१.१ वास्तु के भेद – आवासीय, व्यावसायिक एवं धार्मिक
१.२ व्यावसायिक वास्तु का स्वरूप,
१.३ वर्तमान सन्दर्भ में व्यावसायिक भवन
१.४ व्यावसायिक भवनों के आसपास का वातावरण

इकाई - २

२.१ व्यावसायिक परिसर,
२.२ विपणन केन्द्र,
२.३ व्यावसायिक भूमि
२.४ व्यावसायिक भूखण्ड के गुण
२.५ व्यावसायिक भूखण्ड के दोष

इकाई - ३

३.१ दुकान एवं दुकान का दरवाजा,
३.२ दुकान में मालिक की गद्दी,
३.३ सेल्समेन एवं ग्राहक के बैठने की स्थिति,
३.४ शोकेस एवं कैशबाक्स का स्थान,
३.५ शोरूम, शोरूम का इण्टिरियर

सहायक ग्रन्थ- **व्यावसायिक वास्तुशास्त्र**
प्रथम–संस्करण २००२
लेखक- प्रो० शुकदेव चतुर्वेदी
प्रकाशक- श्री ला. ब. शा. रा. सं. विद्यापीठ, नई दिल्ली–१६

एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय)
विषय - वास्तुशास्त्र

क्रेडिट-१५

तृतीय सत्र , द्वितीय पत्र
धार्मिक वास्तु

इकाई - १. विषय प्रवेश

१.१ धार्मिक वास्तु का वैशिष्ट्य
१.२ धार्मिक वास्तु के भेद
१.३ धर्म और सम्प्रदाय
१.४ धार्मिक वास्तु की आवश्यकता
१.५ धर्म और समाज
१.६ धर्म और संस्कृति
१.७ धर्म और प्रतीक

इकाई - २. भूखण्डचयन

२.१ मन्दिर की आवश्यकता,
२.२ मन्दिर स्थान एवं परिक्षेत्र
२.३ देवताओं के प्रिय स्थल;
२.४ मन्दिर हेतु भूखण्डचयन
२.५ मन्दिर एवं मापन व्यवस्था

सहायक ग्रन्थ- **वृहद्वास्तुमाला**
लेखक- पं०श्रीरामनिहोर द्विवेदी
प्रकाशक- चौखम्भा सुरभारती
गोपाल मन्दिर लेन
वाराणसी–२२१००१

एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय)

विषय - वास्तुशास्त्र

क्रेडिट-१५

तृतीय सत्र, तृतीय पत्र

मौलिकग्रन्थ अध्ययन

इकाई - १ प्रथम भाग

इकाई - २ द्वितीय भाग

इकाई - ३ तृतीय भाग

मौलिकग्रन्थ- **वास्तुसौख्यम्**
लेखक- श्रीटोडरमल
सम्पादक- श्रीकमलाकान्त शुक्ल
प्रकाशक- सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी–०२

एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय)

विषय - वास्तुशास्त्र

क्रेडिट-१५

तृतीय सत्र, चतुर्थ पत्र

संस्कृत शिक्षण

इकाई - १ संस्कृत का वैभव

१.१ संस्कृत का वैशिष्ट्य
१.२ संस्कृत और अन्य भारतीय भाषायें
१.३ संस्कृत और यूरापीय भाषायें
१.४ संस्कृत और भारतवर्ष
१.५ संस्कृत और संस्कृति

इकाई - २ सन्धि

२.१ दीर्घ
२.२ गुण
२.३ वृद्धि
२.४ यण्
२.५ अयादि
२.६ व्यञ्जन
२.७ विसर्ग

इकाई - ५ श्रीमद्भगवद्गीता

अघ्याय १
(अन्वय एवं अर्थ सहित)

सहायक ग्रन्थ- अनुवाद चन्द्रिका
लेखक- श्रीचक्रधर नौटियाल 'हंस'
प्रकाशक- मोतीलाल बनारसीदास,बंगलो रोड़, दिल्ली–११०००७

सहायक ग्रन्थ- श्रीमद्भगवद्गीता
लेखक- गीता प्रेस, गोरखपुर
प्रकाशक- गीता प्रेस, गोरखपुर गोरखपुर–२७३००५ (उ०प्र०)

एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय)
विषय - वास्तुशास्त्र

क्रेडिट-१५

चतुर्थ सत्र, प्रथम पत्र
व्यावसायिक वास्तु

इकाई - १.

१.१ कार्यालय, कार्यालय का द्वार,
१.२ प्रतीक्षा–स्थल, स्वागत–कक्ष,
१.३ कार्यालय में बैठने की व्यवस्था,
१.४ कार्यालय में सर्वोच्च अधिकारी का स्थान,
१.५ कार्यालय में अन्य कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था आदि

इकाई - २.

२.१ औद्योगिक वास्तु,
२.२ औद्योगिक वास्तु के भेद,
२.३ कुटीर उद्योग, लघु उद्योग एवं भारी उद्योग,
२.४ भूखण्ड का चयन,
२.५ वर्कशॉप, जनरेटिंग प्लांट, ट्रांसफार्मर,
२.६ अण्डरग्राउण्ड टैंक, ओवरहैड टैंक,
२.७ कच्चे माल का स्टोर, बने बनाये माल का स्टोर,
२.८ पैकिंग यूनिट,
२.९ कार्यालय एवं स्टाफ क्वार्टर आदि

इकाई - ३.

३.१ होटल, रेस्टोरेन्ट की व्यवस्था
३.२ चिकित्सालय व्यवस्था
३.३ विद्यालय व्यवस्था

सहायक ग्रन्थ- **व्यावसायिक वास्तुशास्त्र**
प्रथम–संस्करण २००२
लेखक- प्रो० शुकदेव चतुर्वेदी
प्रकाशक- श्री ला. ब. शा. रा. सं. विद्यापीठ, नई दिल्ली–१६

एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय)
विषय - वास्तुशास्त्र

क्रेडिट-१५

चतुर्थ सत्र , द्वितीय पत्र
धार्मिक वास्तु

इकाई - १. देवप्रासाद

१.१ मन्दिर निर्माण,
१.२ गर्भगृह,
१.३ मुख्यपीठ,
१.४ प्रांगण,
१.५ द्वार,
१.६ शिखर
१.७ गोपुर

इकाई - २. निर्माण

२.१ मन्दिर एवं वापी निर्माण
२.२ मन्दिर एवं सरोवर निर्माण
२.३ मन्दिर एवं जलाशय निर्माण
२.४ मन्दिर एवं उपवन वाटिका विधान
२.५ मन्दिर में पादप एवं वृक्ष विन्यास

इकाई - ३. प्रतिष्ठा मुहूर्त्त

३.१ देवप्रतिष्ठा मुहूर्त्त,
३.२ उग्रप्रकृति के देवताओं की प्रतिष्ठा,
३.३ चल एवं अचल प्रतिष्ठा,
३.४ देवप्रतिष्ठा में लग्नशुद्धि
३.५ वापी, सरोवर प्रतिष्ठा मुहूर्त्त
३.६ जलाशय उपवन प्रतिष्ठा मुहूर्त्त
३.७ पादप एवं वृक्षारोपण मुहूर्त्त

सहायक ग्रन्थ- वृहद्वास्तुमाला
लेखक- पं०श्रीरामनिहोर द्विवेदी
प्रकाशक- चौखम्भा सुरभारती गोपाल मन्दिर लेन
वाराणसी–२२१००१

एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय)
विषय - वास्तुशास्त्र

क्रेडिट-१५

चतुर्थ सत्र, तृतीय पत्र

मौलिकग्रन्थ अध्ययन

इकाई - १ चतुर्थ भाग

इकाई - २ पंचम भाग

इकाई - ३ षष्ठ भाग

मौलिकग्रन्थ- **वास्तुसौख्यम्**
लेखक- श्रीटोडरमल
सम्पादक- श्रीकमलाकान्त शुक्ल
प्रकाशक- सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी–०२

एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय)
विषय - वास्तुशास्त्र

क्रेडिट-१५

चतुर्थ सत्र, चतुर्थ पत्र
संस्कृत शिक्षण

इकाई - १ धातुरूप

१.१ लोट् लकार (भू पठ् लिख् गम् एवं आगम् धातु)

१.२ लोट् लकार (भू पठ् लिख् गम् एवं आगम् धातु)

१.३ अनुवाद संस्कृत से हिन्दी, हिन्दी से संस्कृत

इकाई - २ कारक, लिंग, प्रत्ययादि

२.१ विभक्ति के मूल रूप

२.२ कारक

२.३ लिंगज्ञान

२.४ अव्यय

२.५ प्रत्यय (स्त्री,कृदन्त एवं तद्धित)

इकाई - ३ श्रीमद्भगवद्गीता

अध्याय २

(अन्वय एवं अर्थ सहित)

सहायक ग्रन्थ- अनुवाद चन्द्रिका

लेखक- श्रीचक्रधर नौटियाल 'हंस'

प्रकाशक- मोतीलाल बनारसीदास,बंगलो रोड़, दिल्ली–११०००७

सहायक ग्रन्थ- श्रीमद्भगवद्गीता

लेखक- गीता प्रेस, गोरखपुर

प्रकाशक- गीता प्रेस, गोरखपुर गोरखपुर–२७३००५ (उ०प्र०)